सांध्य दैनिक
4PM

सबसे मुश्किल काम है सोचना, शायद यही कारण है कि इसमें इतने कम लोग लगे होते हैं।
-हेनरी फोर्ड

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 234 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 3 अक्टूबर, 2022

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकती हैं... 8 | चीन समेत 8 देशों के मेहमान करेंगे... 3 | ग्रामोद्योग के जरिए बन सकते हैं... 7

भारतीय वायुसेना की ताकत और बढ़ी

दुश्मनों को मार गिराएगा 'प्रचंड' : राजनाथ सिंह

» लंबे समय से थी लड़ाकू हेलीकॉप्टर की जरूरत

» दुश्मन को चकमा देने में माहिर है प्रचंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना को आज एक और नई ताकत मिल गई है। वायुसेना में युद्ध कौशल को बढ़ावा देने के लिए देश में विकसित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड के पहले जत्थे को शामिल कर लिया गया है। पहले जत्थे में भारतीय वायुसेना को 10 हेलीकॉप्टर मिले हैं। स्वदेशी रूप से निर्मित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों को जोधपुर में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया।

इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जोधपुर एयरबेस पर हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड से उड़ान भी भरी। राजनाथ सिंह और सीडीएस जनरल अनिल चौहान और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी की उपस्थिति में इन हल्के हेलीकॉप्टरों का नामकरण किया गया। इस अवसर पर रक्षामंत्री ने कहा कि एलसीएच दुश्मन को चकमा देने, कई तरह के गोला-बारूद ले जाने और उसे तुरंत घटना स्थल पर पहुंचने में सक्षम है। एलसीएच विभिन्न इलाकों में हमारे सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा करते हैं। यह हमारी सेना और वायु सेना दोनों के लिए एक आदर्श प्लेटफॉर्म हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से हमलावर हेलीकॉप्टरों की जरूरत थी। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान इसकी जरूरत को गंभीरता से महसूस किया गया था। एलसीएच दो दशकों के रिसर्च एवं विकास का परिणाम हैं। भारतीय वायुसेना में इनका शामिल होना रक्षा उत्पादन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

10 एलसीएच भारतीय वायुसेना और 5 थल सेना के लिए

इस साल मार्च में प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीएस) की बैठक में स्वदेश विकसित 15 एलसीएच को 3,887 करोड़ रुपये में खरीदने की मंजूरी दी गई थी। इन 15 हेलीकॉप्टरों में से 10 भारतीय वायुसेना के लिए और पांच थल सेना के लिए हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह हथियारों और ईंधन के साथ 5,000 मीटर की ऊंचाई पर उड़ान भर सकते हैं।

भारत से गुजर रहे ईरानी प्लेन में बम की सूचना, हड़कंप

नई दिल्ली। भारत के एयरस्पेस से गुजर रहे ईरानी विमान में बम की सूचना से हड़कंप मच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले इस ईरानी विमान ने दिल्ली और जयपुर में लैंडिंग की परमिशन मांगी थी, लेकिन भारत सरकार ने अनुमति नहीं दी। यह विमान ईरान से चीन जा रहा था। बम की जानकारी मिलने के बाद इसकी निगरानी के लिए एयरफोर्स के सुखोई फाइटर जेट लगाए गए। इन फाइटर जेट्स ने पंजाब और जोधपुर एयरबेस से उड़ान भरी थी। जेट्स ने इसे एस्कॉर्ट करते हुए भारतीय सीमा से बाहर छोड़ दिया। ईरानी विमान भारतीय एयरस्पेस से होता हुआ म्यांमार और फिर चीन की तरफ बढ़ गया।

मुलायम सिंह की हालत स्थिर, शीघ्र स्वस्थ होने की मांगी जा रही दुआएं

» अखिलेश सहित पूरा परिवार दिल्ली में मौजूद

» सैफई से लेकर वाराणसी तक सलामती के लिए हो रहा यज्ञ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव मेदांता के आईसीयू में भर्ती हैं। उनकी हालत स्थिर है। पूरा देश और प्रदेश उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहा है। सपा संस्थापक के गांव सैफई में भी लोग अपने नेता जी के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

मुलायम सिंह के अस्वस्थ होने की खबर पाने के बाद सैफई में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों का हनुमान चालीसा का पाठ और संकट मोचन का जाप हो रहा है। दूसरी तरफ उनके आवास पर फिलहाल सन्नाटा छाया है। परिवार के लोग मेदांता पहुंच रहे हैं तो वहीं सैफई के लोग महाष्टमी के दिन अपने घरों में देवी से उनकी स्वास्थ्य की प्रार्थना कर रहे हैं। अखिलेश यादव, डिंपल यादव, प्रतीक यादव, धर्मेंद्र यादव, तेज प्रताप, शिवपाल सिंह यादव समेत सभी परिवार के लोग फिलहाल दिल्ली में मौजूद है। मुलायम सिंह की सलामती के लिए वाराणसी में भी महामृत्युंजय और चामुंडा यज्ञ कराया जा रहा है। बता दें कि मुलायम सिंह करीब एक महीने से मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। रविवार को तबीयत ज्यादा खराब होने पर उनकी डायलिसिस भी की गई।

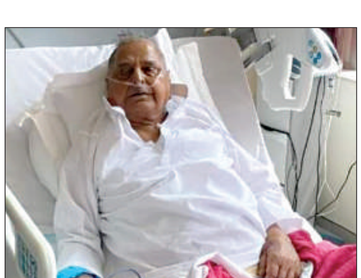

सीएम योगी ने अखिलेश को किया फोन

मुलायम सिंह यादव की तबीयत स्थिर बताई जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी नजर उनकी तबीयत पर है। उन्होंने अखिलेश को फोन कर मुलायम सिंह की सेहत का हाल जाना। मेदांता के डॉक्टरों से भी बात की और अच्छे से अच्छा इलाज मुहैया कराने के लिए कहा।

6 राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर तीन नवंबर को होंगे मतदान

» गोला गोकर्णनाथ सीट पर भी होगा उपचुनाव, छह नवंबर को आएंगे नतीजे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छह राज्यों में सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीख की घोषणा कर दी गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक मतदान तीन नवंबर को होंगे। जबकि नतीजे छह नवंबर को आएंगे। बता दें कि महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा के एक-एक विधानसभा सीट पर मतदान होंगे। जबकि बिहार के दो विधानसभा सीटों पर मतदान कराए जाएंगे।

वहीं प्रदेश में लखीमपुर खीरी जिले की गोला गोकर्णनाथ सीट पर विधानसभा उपचुनाव को लेकर सभी ने तैयारियां शुरू कर दी है। यह सीट बीजेपी विधायक अरविंद गिरि के देहांत के बाद खाली हुई है। पांच बार के विधायक गिरि का देहांत पिछले महीने हो गया था। समाजवादी पार्टी के टिकट पर 3 बार विधानसभा पहुंचने के बाद उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया था और दो बार भगवा पार्टी से विधायक चुने गए। बीजेपी के लिए लोकसभा चुनाव से पहले अरविंद गिरि का निधन बड़ा झटका माना जा रहा है। अरविंद गिरि 65 साल के थे। वे गोला विधानसभा सीट से लगातार पांचवीं बार जीत दर्ज कर विधानसभा पहुंचे थे।

निकाय चुनाव में सभी सीटों पर खिलेगा कमल : भूपेंद्र सिंह

» प्रदेश अध्यक्ष ने अलीगढ़ में की निकाय चुनाव को लेकर बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा निकाय चुनावों में अपनी रणनीति में बदलाव करने जा रही है। पहली बार बीजेपी सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत में उम्मीदवार उतारेगी। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने निकाय चुनाव को लेकर अलीगढ़ मंडल की संगठनात्मक बैठक की। इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों में जोश भरते हुए कहा कि पार्टी सभी 17 नगर निगम में मेयर सीट पर जीत दर्ज करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि इस बार के निकाय चुनाव में पहली बार पार्टी प्रदेश के सभी नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत में उम्मीदवार उतारेगी।

मेयर व चेयरमैन की हर सीट पर कमल का फूल चुनाव चिह्न होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं की कई दशक की मेहनत के बाद पार्टी का यह स्वर्णिम काल आया है। पांच-छह पीढ़ियों ने पार्टी को यहां तक लाने में प्रयास किया है। पहले लोग कहते थे कि भाजपा तो कुछ लोगों की पार्टी है, फिर वह क्षेत्र की पार्टी बताने लगे। अब वे लोग कहते हैं कि यह मुस्लिम विरोध पार्टी है, लेकिन भाजपा सबकी पार्टी है। पीएम मोदी से लेकर सीएम योगी तक का मकसद केवल सबका साथ और सबका विकास ही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि परमाणु शक्ति की ताकत, कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति व अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण दशकों से पार्टी के एजेंडे में शामिल हैं और मौका मिलते ही इसे पूरा किया है। अटल विहार बाजपेयी ने परमाणु शक्ति की ताकत दी और मोदी ने धारा 370 खत्म की। अब राम मंदिर का निर्माण भी चल रहा है। आगे भी पार्टी ने जो कहा है, उस संकल्प को पूरा किया जाएगा। समान आचार संहिता पर भी काम चल रहा है। बिजली, पानी व सड़क से विकास किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सपा पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा में परिवार के अलावा कुछ नहीं है। हर पद पर बेटा, बहू, अन्य परिजन मिल जाएंगे। जबकि भाजपा में एक आम कार्यकर्ता को भी उच्च पद पर बैठने को अवसर मिलता है।

17 नगर निगम की मेयर सीट पर होगा कब्जा

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि 2017 में हुए निकाय चुनाव में मेयर की 16 में से 14 सीट भाजपा ने जीती थीं, लेकिन मेरठ व अलीगढ़ मेयर की सीट हार गए थे। इस बार शाहजहांपुर में पहली बार मेयर का चुनाव होगा। ऐसे में पार्टी पिछले काफी समय से तैयारी में जुटी हुई है। इस बार प्रदेश के सभी 17 नगर निगम की मेयर सीट पर भाजपा का कब्जा होगा। 2019 के लोकसभा चुनावों में हारी हुईं 14 सीटों पर पार्टी विशेष तैयारी कर रही है। 2024 के चुनाव में भी भाजपा की जीत होगी।

एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए 20 जिलों में तेज करें भूमि अधिग्रहण : मुख्य सचिव

» एनएचएआई की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की परियोजनाओं की प्रगति की मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने समीक्षा की। उन्होंने 20 जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि एक्सप्रेस-वे निर्माण का कार्य तेजी से हो सके इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया और किसानों को मुआवजा जल्द दें। पानी, बिजली की लाइनों की शिफ्टिंग और फारेस्ट क्लीयरेंस का काम भी तेजी से किया जाए।

मुख्य सचिव ने मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, शाहजहांपुर, मथुरा, हाथरस, अलीगढ़, लखनऊ, उन्नाव, गोरखपुर, महाराजगंज, सहारनपुर, फतेहपुर, कौशांबी, रायबरेली, बागपत, हापुड़, शामली व मुजफ्फरनगर के डीएम को सख्त निर्देश दिए कि अगर इस काम में ढिलाई बरती गई तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वह मुआवजे की धनराशि तत्काल जिलों को उपलब्ध कराई जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि बेहतर सड़कें होने से प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलता है और इंडस्ट्री आकर्षित होती हैं। यूपी को वन ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण हैं। बैठक में संबंधित जिलों के डीएम ने कहा कि वह 31 अक्टूबर 2022 तक हर हाल में सड़क निर्माण के लिए भूमि पर कब्जा व मुआवजा वितरण का कार्य पूरा कर लेंगे।

राष्ट्रीय ध्वज खरीद मामले में लोकायुक्त को शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर तथा डॉ. नूतन ठाकुर ने अमृत महोत्सव के लिए राष्ट्रीय ध्वज के खरीद में भारी अनियमितता की शिकायत के संबंध में लोकायुक्त के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया है। अपने परिवाद में उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दो करोड़ राष्ट्रीय ध्वज खरीदे जाने का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य हथकरघा निगम लिमिटेड, कानपुर को दिया गया।

इस हेतु जेम पर बिड प्रकाशित की गयी, जिसमें न्यूनतम बिड 17.51 रुपए प्रति झंडे का आया पर हथकरघा निगम के अफसरों ने इसे दरकिनार कर मैन्युअल टेंडर की प्रक्रिया अपनाते हुए रु0 20 प्रति झंडे के दर से कई फर्मों को टेंडर दिया। अमिताभ और नूतन ने कहा है कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार का यह स्पष्ट निर्देश है कि 5 लाख रुपये से ऊपर का प्रत्येक टेंडर ऑनलाइन प्रणाली से जेम के माध्यम से ही दिया जायेगा। यहां तक कि जेम में नेगोशियेशन तक की पूरी व्यवस्था दी गयी है। राष्ट्रीय ध्वज खरीद मामले में पहले तो जेम पर प्रक्रिया प्रारंभ की गयी। किन्तु इसके बाद करोड़ों के टेंडर की पूरी प्रक्रिया ऑफलाइन की गयी। इतना ही नहीं, इसमें कुछ ऐसे फर्म तक को टेंडर दिए गए, जिन्होंने शुरु में टेंडर के लिए आवेदन तक नहीं दिया था। अमिताभ और नूतन ने कहा कि ऑनलाइन टेंडर की प्रक्रिया किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ही शुरू की गयी, किन्तु प्रथमद्रष्टया इस मामले में उसका व्यापक उल्लंघन दिखता है। इसलिए मामले की जांच कर कार्यवाही की जाए।

विधानसभा में सवाल पूछने में पीछे रहीं महिला विधायक

» मानसून सत्र में किया गया था आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की पहल पर महिला सदस्यों के लिए विशेष सत्र का आयोजन किया गया। लेकिन पूरे मानसून सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष की महिला विधायक सवाल पूछने में पीछे रहीं। पांच दिन तक चले सदन में विपक्ष की मात्र 4 महिला विधायकों ने सरकार से सवाल पूछे, जबकि सत्ता पक्ष की दो सदस्यों ने सवाल उठाए।

18वीं विधानसभा में 47 महिला विधायक हैं। इनमें से भाजपा की 29, अपना दल एस की तीन, सपा की 14 और कांग्रेस की एक शामिल हैं। बीते 19 से 23 सितंबर तक चले विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान 74 तारांकित और 610 अतारांकित प्रश्न कार्यसूची में शामिल हुए।

इनमें से पांच तारांकित और 23 अतारांकित प्रश्न महिला विधायकों ने पूछे। भाजपा की 29 महिला विधायकों में से 5 प्रदेश सरकार में मंत्री है। लिहाजा नैतिकता के चलते सदन में अपनी ही सरकार से सवाल नहीं पूछ सकतीं। शेष 24 में से नरैनी से विधायक ओममणि वर्मा ने सात अतारांकित प्रश्न पूछे। बलहा से भाजपा विधायक सरोज सोनकर ने एक तारांकित प्रश्न पूछा। सवाल पूछने में असमौली से सपा की विधायक पिंकी यादव सबसे आगे रहीं। जौनपुर की मछलीशहर से विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने 6 अतारांकित, चायल से सपा विधायक पूजा पाल ने एक तारांकित और 2 अतारांकित और सैय्यदा खातून एक और तीन अतारांकित सवाल पूछे।

राजनीतिक दल महिला विधायकों को मौका दें

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि विधानसभा में हर बार महिला विधायकों के लिए विशेष सत्र आयोजित नहीं किया जा सकता है। उनको न केवल तारांकित और अतारांकित सवाल पूछने चाहिए बल्कि नियम 311, नियम 56 के तहत अन्य मुद्दे उठाने चाहिए। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे उनकी महिला विधायकों को सवाल पूछने का मौका दें। उधर, महिलाबाद से भाजपा विधायक जय देवी कहती हैं कि जानकारी के अभाव में वह प्रश्न नहीं लगा पाती हैं।

एक दिन में 20 तारांकित सवाल लिए जाते हैं

पूर्व संसदीय कार्य मंत्री लालजी वर्मा बताते हैं कि तारांकित प्रश्न में केवल नीतिगत मामले पूछे जाते हैं। इसका निर्धारण विधानसभा अध्यक्ष विभागवार और उसके निर्धारित दिन के अनुसार करते हैं। तारांकित सवाल का जवाब सदन में दिया जाता है। प्रश्नकर्ता को उस पर दो पूरक प्रश्न पूछने की अनुमति रहती है। एक दिन में अधिकतम 20 तारांकित सवाल लिए जाते हैं। इसमें क्षेत्र की समस्या, सूचना से जुड़े मामले पूछे जाते हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

2023 तक विद्युत उत्पादन 2324 मेगावाट बढ़ाने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बिजली की मांग में उतार चढ़ाव बहुत अधिक है। शाम के समय औसतन मांग 24000 मेगावाट रहती है तो यह मांग घटकर 15000 मेगावाट पर आ जाती है। पावर कारपोरेशन की चिंता बिजली की बढ़ती मांग के मुताबिक बिजली पैदा करने की है। जिसे ध्यान में रखते हुए अगले साल 2023 में राज्य में बिजली की अनुबंधित उत्पादन क्षमता को 2324 मेगावाट बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

पावर कारपोरेशन के सूत्रों के मुताबिक इस समय प्रदेश में बिजली की कुल अनुबंधित उत्पादन क्षमता 30032 मेगावाट है। जिसे साल 2023 में 32356 मेगावाट किया जाना है। दीर्घकालीन योजना के तहत 2030 तक इस क्षमता को बढ़ाकर 40392 मेगावाट करने का लक्ष्य रखा गया है। उपभोक्ताओं को निरंतर और अधिक से अधिक बिजली मुहैया कराने के लिए राज्य के सभी उत्पादन गृहों को पूरी क्षमता से चलाने की कोशिश की जा रही है। साथ ही अन्य स्त्रोतों से भी बिजली ली जाती है। इन सबके बाद भी यदि बिजली की कमी पड़ती है तो उसे पूरा करने के लिए पावर एक्सचेंज से बिजली खरीदी भी जाती है। चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में अभी तक 1311.91 करोड़ रुपये की बिजली पावर एक्सचेंज के बाजार दरों पर खरीदी जा चुकी है।

सपा का 24 का ब्लू प्रिंट तैयार

पिछड़ों और दलितों को मजबूत भागीदारी देने की तैयारी में अखिलेश

» 29 साल पहले ऐसे ही मुलायम सिंह ने बनाई थी सरकार

» एसटी-ओबीसी और मुस्लिम वोटर्स को लुभाने पर फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी बेहतर प्रदर्शन के लिए ओबीसी और एससी वोटर को एकजुट करना चाहती है। लोहियावादी और अंबेडकरवादी की यूनिटी से 2024 का रास्ता आसान करने का संदेश अखिलेश यादव दे चुके हैं। लखनऊ के रमाबाई मैदान से अखिलेश कह चुके हैं कि सत्ता हासिल करने के लिए पिछ?ों और दलितों की मजबूत भागीदारी जरूरी है। ये बात सच भी है क्योंकि 1993 में मुलायम सिंह यादव ने काशीराम से गठजोड़ कर राम लहर के बावजूद भाजपा से सत्ता छीन ली थी। अब अखिलेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद एसटी-ओबीसी और मुस्लिम वोटर्स को लुभाने पर फोकस रहेगा।

अखिलेश ने बहुजन समाज का जिक्र करते हुए कहा कि त्याग करके समझौता किया, ताकि करोड़ों दलित एक मंच पर आ सके। इतना ही नहीं, अखिलेश ने भाजपा पर सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में देने की साजिश का आरोप लगाते हुए संदेश दिया कि संविधान में 'बहुजन समाज' दलित को नौकरी में मिले आरक्षण को छीनने की कोशिश हो रही है। सपा के राज्य और राष्ट्रीय सम्मेलन में बसपा एक का भी कद्दावर नेताओं में शुमार रहे राम अचल राजभर, आर के चौधरी, इंद्रजीत सरोज को खासा महत्व देकर भी पार्टी ने संदेश दिया कि यहां सब का सम्मान है। इंद्रजीत सरोज ने कहा था कि इलाहाबाद मंडल की 28 में से 15 विधानसभा सीटें सपा जीती है संदेश देने को काफी है कि यह ताकत पिछड़ों के साथ दलितों की एकजुटता से ही संभव हो सका है। पार्टी के मंच से राज्य में दलितों की राजनीति करने वाली पार्टी बसपा के कमजोर होने की तरफ इशारा करके भी दलितों को सपा से जुड़ने का आह्वान किया गया। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीसरी बार पार्टी की कमान संभालते ही 2024 की जंग के लिए संघर्ष का बिगुल फूंकते हुए समाजवादियों का आह्वान किया कि वह अन्याय अत्याचार के खिलाफ जेल भरने को तैयार रहें। उन्होंने कहा कि आज दलित पिछडों पर अत्याचार अन्याय बडा है समाजवादी पैदल चलने और ना साइकिल चलाने से घबराते हैं। यदि अत्याचारी हुकूमत के खिलाफ जेल भरना पड़ा तो तैयार रहें।

2022 में दोगनी हुई सीट, 24 में भी बीजेपी को देंगे पटखनी

अखिलेश ने कहा कि मुझे खुशी है कि अभी तक का सबसे ज्यादा वोट इस चुनाव में हमें मिला था। सपा की सीट भी दोगुनी हो गई थी। जीते भले ही नहीं, लेकिन कह सकता हूं कि 2019 और 2022 के प्रयोग से हम समाजवादी जान गए कि बीजेपी को कोई हरा सकता है तो वो सिर्फ समाजवादी पार्टी ही है। अखिलेश ने कहा कि हम देश की राजनीति को बदल देंगे। बीजेपी ने झूठ बोलकर सरकार बनाई है। आगे अखिलेश यादव ने कहा कि समाज को बांटने वाली ताकतों को सत्ता से दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने जो काम किया था बीजेपी उससे आगे कुछ भी नहीं कर पाई है। उन्होंने अपने भाषण में मेट्रो निर्माण और नदियों की सफाई आदि का मुद्दा उठाया।

निकाय चुनाव में सपा संगठन का टेस्ट, फाइनल होगा 2024

यूपी में निकाय चुनाव करीब है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद अखिलेश का पहला टेस्ट निकाय चुनाव होंगे। जबकि फाइनल मैच 2024 में खेला जाएगा। मुस्लिम वोटर्स को जो?ने के मकसद से अधिवेशन के दौरान सपा नेता मौलाना इकबाल कादरी ने कहा कि मदरसों से मौलाना ही नहीं बनते। मदरसों में पढ़ने वाले तमाम लोगों को दूसरों के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है। सपा ने ये तय किया है कि निकाय चुनाव में संगठन में दलित और मुसलमानों को तवज्जो दी जाएगी।

कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना चुनौती

सम्मेलन में आने वाले कई पदाधिकारी बताते हैं कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के लिये एक और बड़ी चुनौती अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना होगा। लागातार सत्ता से दूर रहने के कारण कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा हुआ है। संगठन भी आधा-अधूरा है। सपा का सदस्यता अभियान जारी है लेकिन इसमें वह तेजी नहीं दिखी जो आमतौर पर होनी चाहिए। आजम खान से लेकर कई पूर्व विधायक, मंत्री स्वयं को सत्ता के कोप से बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसे में कार्यकर्ताओं का जोड़े रखना आसान नहीं होगा।

चीन समेत 8 देशों के मेहमान करेंगे काशी दर्शन

» योगी सरकार अपने सभी मेहमानों का करेगी भव्य स्वागत

» देश और विदेश से लाखों तीर्थयात्री प्रतिदिन आ रहे हैं काशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की ख्याति सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेश तक पहुंच चुकी है। इसी कड़ी में अब शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ का एक प्रतिनिधिमंडल अगले वर्ष 16 जनवरी को काशी आ रहा है। चीन, रूस और पाकिस्तान समेत आठ सदस्य देशों के विदेशी मेहमान काशी की संस्कृति और यहां की पौराणिकता से रूबरू होंगे। इसी माह एससीओ ने काशी को दुनिया की पहली सांस्कृतिक और पर्यटक राजधानी का दर्जा दिया है।

इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एससीओ के समस्त सदस्यों को काशी भ्रमण का न्यौता भेजा है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारत की सांस्कृतिक और पारंपरिक झांकी प्रस्तुत करने वाले पवित्र शहर वाराणसी को संवारने के प्रति संकल्पित हैं। यह उनके प्रयासों का ही नतीजा है कि बीते कुछ वर्षों में यह धार्मिक नगरी प्रदेश के पर्यटन का सबसे प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। देश और विदेश से लाखों तीर्थयात्री प्रतिदिन काशी आ रहे हैं। प्रमुख सचिव पर्यटन, मुकेश मेश्राम ने मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप अगले माह रामनगर रामलीला तक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। अक्टूबर-नवंबर का महीना त्योहारों से भरा हुआ है। हालांकि काशी के लिए यह और भी खास है, क्योंकि काशी में अक्टूबर में 200 साल पुरानी रामनगर रामलीला का आयोजन होता है। यह काशी की सबसे प्राचीन रामलीला है। इसकी शुरुआत अनंत चतुर्दशी से होती है और एकादशी तक यानी 31 दिनों तक जारी रहती है। इसके अलावा 5 नवंबर से 8 नवंबर तक देव दीपावली 'प्रकाश का पर्व' मनाया जाना है। यह कार्तिक मास में पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। मान्यता है कि सभी देवता इस अवसर को मनाने के लिए वाराणसी के घाट पर इकट्ठा होते हैं। लोग इस अवसर को घाटों पर दीये जलाकर मनाते हैं और उन्हें सजाते हैं। इस अवसर पर काशी में दुनिया भर के पर्यटक जुटते हैं। इस लिहाज से पर्यटन विभाग ने अभी से कमर कस ली है।

इन देशों के मेहमान आएंगे काशी

एससीओ यानी शंघाई सहयोग संगठन विश्व के आठ देशों की सदस्यता वाला एक आर्थिक एवं सुरक्षा गठबंधन है, जिसमें चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। यह संगठन सुरक्षा ही नहीं, बल्कि आपस में आर्थिक तरक्की को बल देने के प्रयासों के लिए भी कार्य करता है। ऐसे में उनका वाराणसी आना सांस्कृतिक पहचान के अलावा इन देशों के साथ कारोबार के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्वागत की तैयारियां हुईं तेज

अगले वर्ष काशी आ रहे इन विदेशी मेहमानों का प्रदेश सरकार स्वागत करने को तैयार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर काशी को सजाने और संवारने की कवायद तेज हो गई है। इन विदेशी मेहमानों के भव्य स्वागत के लिए मुख्यमंत्री योगी ने आला अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए है। निर्देशों में कहा गया है कि स्वच्छता मिशन के तहत शहर को पूरी तरह से साफ-सुथरा रखा जाए। सभी प्रमुख चौराहों पर जाम की समस्याओं का निस्तारण किया जाए। मेहमानों के आगमन पर स्कूली बच्चे उनका स्वागत करेंगे। सरकार की मंशा है कि मेहमान जब काशी पधारें तो उन्हें अपनत्व का बोध हो, ताकि वो काशी की संस्कृति को समझ सकें।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

लय और ताल का सामंजस्य है गरबा

> जीवन में विपदाएं आती रहती हैं। हम समझते हैं कि आखिर ये विपदाएं हमारे सामने ही क्यों आती हैं? अब जरा कामयाब लोगों की जिंदगी को देखें, तो समझ में आ जाएगा कि उन्होंने सारी विपदाओं का मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार किया। मुसीबतों का सामना करने की उनकी हिम्मत नहीं थी, फिर भी उन्होंने आगे बढ़ने का हौसला जुटाया। अवसर ही हमें सिखाते हैं कि कब कदम आगे बढ़ाना है, कब पीछे करना है। कब कदमों को थाम लेना है। अब इसी से हम गरबे के दर्शन को समझने की कोशिश करें।

नवरात्रि में गरबा की धूम है। गुजरात ही नहीं, अब तो पूरे देश में इन दिनों एक उत्सव का माहौल है। इन दिनों युवाओं के पैर थिरकने से नहीं चूकते। वे नगाड़ों की थाप पर अपने पांवों को थिरकने का मौका अवश्य देते हैं। वैसे देखा जाए, तो गरबा खेलना एक परंपरा ही नहीं, बल्कि इसके पीछे एक दर्शन है। गरबा लय और ताल का सामंजस्य है। इसी में छिपा है जीवन का फलसफा। जिस तरह से गरबा खेलने के दौरान पता होता है कि कब कदम आगे बढ़ाना है, कब रोकना है और कब किसी के इंतजार में ख? रहना है। यही कदमताल जीवन में भी दिखाना होता है, तभी जीवन सार्थक होता है। अन्यथा सही कदमताल न होने के कारण कई जीवन बर्बाद हो जाते हैं। गरबा में दर्शन को तलाशना हास्यास्पद लग सकता है। पर जीवन को दूसरे नजरिये से देखने वालों के लिए यह किसी दर्शन से कम नहीं है।

जीवन में विपदाएं आती रहती हैं। हम समझते हैं कि आखिर ये विपदाएं हमारे सामने ही क्यों आती हैं? अब जरा कामयाब लोगों की जिंदगी को देखें, तो समझ में आ जाएगा कि उन्होंने सारी विपदाओं का मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार किया। मुसीबतों का सामना करने की उनकी हिम्मत नहीं थी, फिर भी उन्होंने आगे बढ़ने का हौसला जुटाया। अवसर ही हमें सिखाते हैं कि कब कदम आगे बढ़ाना है, कब पीछे करना है। कब कदमों को थाम लेना है। अब इसी से हम गरबे के दर्शन को समझने की कोशिश करें। गरबा खेलने वाले यह अच्छी तरह से जानते हैं कि कब कदम आगे बढ़ाना है, कब पीछे खींचना है। कब डांडिए को सामने वाले के डांडिए से टकराना है। कब थम जाना है। कब किसी के लिए खड़े होना है। अगर कोई इसे नहीं जानता, तो वह गरबा ही क्यों, कोई भी नृत्य नहीं कर सकता। गुजरात के बच्चे गरबा की थाप सुनते ही उनके पांव थिरकने लगते हैं। यह उन्हें विरासत में मिला है। इसलिए गरबा खेलते समय युवाओं ही नहीं, बल्कि बुजुर्गों और बच्चों में भी एक विशेष प्रकार का उत्साह देखने को मिलता है। कुछ ऐसी ही स्थितियां ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिलती हैं, जहां किसी समारोह में लोग गाजे-बाजे के साथ पूरी शिद्दत से नृत्य करने लगते हैं। वास्तव में इन्हीं नृत्यों में छिपा होता है जीवन का ककहरा। नृत्य के साथ जीवन जीने की कला को समझा जाए, तो जीवन आसान हो सकता है। आप उन कोरियोग्राफर्स पर ध्यान दें, उनके पास जीवन की समस्याओं का समाधान मिल जाएगा, क्योंकि उन्हें यह अच्छी तरह से पता होता है कि किस रिदम में किस पांव को उठाना है, हाथ को कब और कैसे लहराना है। कब पीछे हटना है, कब आगे बढ़ना है। नृत्य में इसे ही अनुशासन कहते हैं। वास्तव में यही जीवन का अनुशासन है। जीवन जीने की कला किसी किताब में नहीं, बल्कि चारों तरफ बिखरी पड़ी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस का दलित कार्ड हैं खड़गे!

विनोद अग्निहोत्री

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए दक्षिण भारत के दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम जिस अंदाज में आया, उससे साफ हो गया है कि पार्टी के प्रथम परिवार यानी सोनिया राहुल प्रियंका की सहमति से खरगे मैदान में उतरे हैं और इसीलिए आखिरी वक्त तक खम ठोक रहे दिग्विजय सिंह मैदान से हटकर मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रस्तावक बने हैं। इसलिए शशि थरूर के मुकाबले खरगे का जीतना और अध्यक्ष बनना लगभग तय है। कांग्रेस ने खड़गे को आगे करके भाजपा के आदिवासी कार्ड का माकूल जवाब दिया है।

एक तरह से इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस अंदाज में राष्ट्रपति पद के लिए द्रोपदी मुर्मू को आगे लाकर देश के करीब दस फीसदी आदिवासियों को यह संदेश दिया था कि राष्ट्र के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला को बिठाने का काम पहली बार उनकी अगुआई में भाजपा ने किया है, कुछ उसी तरह राहुल गांधी ने कांग्रेस के शीर्ष पद के लिए खड़गे को आगे करके देश के 22 फीसदी दलितों को कांग्रेस के साथ जोड़ने की कोशिश की है। खरगे को अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस दलितों के साथ-साथ दक्षिण भारत को भी साधेगी। सूत्रों का कहना है कि दिग्विजय सिंह को राज्यसभा में नेता विपक्ष बनाकर उत्तर दक्षिण का संतुलन बनाया जा सकता है। कांग्रेस हाईकमान के करीबी सूत्रों का यहां तक कहना है कि अगर 2024 में लोकसभा चुनावों के बाद 2004 की तरह गैर-भाजपा दलों की कोई सियासी खिचड़ी पकती है और कांग्रेस इतनी सीटें जीत लेती है कि तमाम गैर भाजपा दल उसका नेतृत्व मानने को विवश हो जाएं तो कोई ताज्जुब नहीं होगा कि जैसे 2004 में सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह को देश की सत्ता की चाबी सौंप कर आजाद भारत को पहला सिख (अल्पसंख्यक) प्रधानमंत्री देने का श्रेय लिया था, कुछ उसी अंदाज में राहुल गांधी भी खड़गे की ताजपोशी करवाकर देश को दलित प्रधानमंत्री देने का श्रेय अपने और कांग्रेस के लिए ले सकते हैं। वहीं पहले दलित प्रधानमंत्री के रास्ते की रुकावट बनने का कलंक शायद कोई दल ही लेगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस संदेश के साथ भी मैदान में उतर सकती है।

कुछ लोग इसे बहुत दूर की कौड़ी या हवा में पतंगबाजी की संज्ञा दे सकते हैं, लेकिन खड़गे का नाम जिस नाटकीय अंदाज में कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए लाया गया है, इससे साफ है कि खरगे सिर्फ अशोक गहलोत के मैदान से हटने के बाद स्टैंड बाई उम्मीदवार ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें सोच विचार के बाद कांग्रेस नेतृत्व जिसे आम भाषा में हाईकमान कहा जाता है, ने उन्हें आगे किया है। जहां तक खड़गे की दस जनपथ या सोनिया गांधी परिवार के प्रति वफादारी का सवाल है तो वह असंदिग्ध है। लेकिन खड़गे अकेले ऐसे नेता नहीं हैं। कांग्रेस में सोनिया गांधी परिवार के प्रति 24 कैरेट की निष्ठा वाले कई नेता हैं जो समयानुकूल परिस्थितियों में राहुल गांधी के लिए जगह खाली करने में कोई देर नहीं लगाएंगे। इसलिए खड़गे को आगे लाने के पीछे सिर्फ वफादारी ही सबसे बड़ा या अकेला कारण नहीं है, वह सिर्फ एक कारण है। यह सही है कि पहले अशोक गहलोत के लिए सोनिया परिवार ने पूरा मन बना लिया था। इसके पीछे प्रमुख वजह गहलोत की परिवार और पार्टी के प्रति असंदिग्ध निष्ठा, 2020 में उनका उनका सियासी संकट प्रबंधन करके राजस्थान में ऑपरेशन लोटस को विफल करना, उनका पिछड़े वर्ग से होना और लंबा राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव होने के साथ उनकी पार्टी में स्वीकार्यता थी। गहलोत के जरिए कांग्रेस का प्रथम परिवार भाजपा के नरेंद्र मोदी के पिछड़े कार्ड का जवाब देने के साथ-साथ राजस्थान में सचिन पायलट को सत्ता सौंपने का अपना वादा भी पूरा करना चाहता था, जो उसने 2020 में सचिन को वापस लाते वक्त किया था। योजना थी कि एक तीर से कई निशाने सध जाएंगे। पहला अशोक गहलोत ससम्मान राजस्थान से बाहर निकल कर केंद्रीय राजनीति में आ जाएंगे और राज्य में उनकी सरकार के खिलाफ जो भी सत्ता विरोधी रुझान है सचिन पायलट का नया और युवा चेहरा उसे काफी हद तक कम कर देगा। फिर 2023 का विधानसभा चुनाव जिताने की जिम्मेदारी बतौर मुख्यमंत्री सचिन की और बतौर प्रदेश पार्टी अध्यक्ष अशोक गहलोत दोनों की होगी, जिससे कांग्रेस भाजपा का मुकाबला कर सकेगी।

दरअसल यह हाईकमान की एक ऐसी चाल थी जिसमें दिग्विजय सिंह की उम्मीदवारी एक कवर के रूप में थी ताकि अशोक गहलोत के हटते कोई और बड़ा नेता नामांकन करके मैदान में आकर चुनाव को जटिल न बना दे। इस बीच कांग्रेस नेतृत्व में भावी रणनीति पर मंथन जारी रहा। कई वरिष्ठ नेता और रणनीतिकार सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के संपर्क में रहे और तय हुआ कि किसी दलित नेता को मैदान में उतारा जाना चाहिए। दूसरा दलित अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस देशभर के दलितों को संदेश देगी कि आजादी के बाद दूसरी बार कांग्रेस के शीर्ष पद पर कोई दलित नेता बैठा है। इसका फायदा कांग्रेस को गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान और छतीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में मिलेगा।

कट्टरता की तह तक जल्दी पहुंचे जांच

आर के राघवन, पूर्व निदेशक, सीबीआई

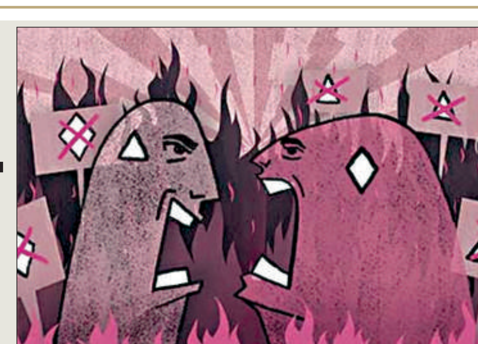

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य पुलिस बलों द्वारा पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ की जा रही राष्ट्रव्यापी कार्रवाई ने जोरदार, लेकिन आरोप-प्रत्यारोपों वाली बहस शुरू कर दी है। एक मुखर खेमा मानता कि मुस्लिम-विरोधी खास एजेंडे को आगे बढ़ाने के कारण पीएफआई को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इस बात के लिए सत्ता-प्रतिष्ठान की तारीफ कर रहा है कि उसने एक ऐसे संगठन के खिलाफ कार्रवाई की है, जो व्यवस्था को अस्थिर करने पर आमादा है। हालांकि, निष्पक्ष विचारक इन दोनों मतों के बीच कहीं सच के छिपे होने की बात कह सकते हैं।

पीएफआई तीन इस्लामिक गुटों के विलय के साथ साल 2006 में अस्तित्व में आया। अपनी उग्र भाषा और मुस्लिम समुदाय को हिंदू पूर्वाग्रह के शिकार के रूप में चित्रित करने के कारण इसने अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इसी पृष्ठभूमि के कारण वह स्पष्ट करता है कि दक्षिणपंथी हिंदूवादी तत्वों के खिलाफ लड़ने के लिए वह संकल्पित है, चाहे इसके लिए उसे जिस किसी साधन का इस्तेमाल करना पड़े। नतीजतन, पिछले एक दशक में हिंसा खूब बढ़ी है, खासकर दक्षिण भारत में। केरल, जहां एक बड़ी और दबदबा रखने वाली मुस्लिम आबादी है, पीएफआई का गढ़ है और इस समुदाय के खिलाफ कथित अन्याय को लेकर यहां अक्सर संघर्ष होते रहे हैं। यह जाहिर तौर पर सत्ता की तरफ से स्पष्ट दिशा-निर्देश के अभाव के कारण था। तब भ्रमित पुलिस पदानुक्रम के कारण भी पीएफआई के खतरों से निपटने के लिए जरूरी कार्रवाई को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई। पुलिस नेतृत्व इस बात को लेकर सावधान रहता था कि ऐसी किसी कार्रवाई से उस पर धार्मिक पूर्वाग्रह के लांछन न लग जाएं। साल 2014 में मोदी सरकार की ताजपोशी और कुछ राज्यों में बदलाव से कानून लागू करने संबंधी नजरिये में स्पष्टता आई है। राजनीतिक दिशा अब सख्त कार्रवाई की पक्षधर है। हाल के छापों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जब्ती से हम इसे आसानी से समझ सकते हैं। यहां तक कि मीडिया से बातचीत के दौरान भी एजेंसियों ने मामले की गंभीरता कम नहीं आंकी। उनकी यह साफगोई भविष्य के लिए उम्मीद जगाती है।

एजेंसियों ने साफ कहा है कि पर्याप्त सुबूतों व राह भटके पीएफआई काडर व संगठन से सहानुभूति रखने वालों की पहचान करने के बाद ही छापेमारी की कार्रवाइयों को अंजाम दिया गया। यह बताता है कि उन्होंने गैर-कानूनी कृत्यों को बेपरदा करने के लिए किस कदर की मेहनत की होगी। छापेमारी व गिरफ्तारियों के बाद हिंसा की छिटपुट घटनाओं से पता चलता है कि पीएफआई नेतृत्व इन कार्रवाइयों को लेकर बेखबर था। अपनी योजना को इस कदर गोपनीय बनाए रखने के लिए एनआईए व ईडी, दोनों को बधाई देनी चाहिए, क्योंकि कई मामलों में हमने देखा है कि विश्वासघातियों ने अपराधियों या संदिग्धों को पहले ही संवेदनशील जानकारियां लीक कर दीं।

पिछले कुछ वर्षों में यह दुरभिसंधि दिखी है और इसे तोड़ा जाना आवश्यक है। यह विश्वास करना कठिन है कि पीएफआई गोपनीय तरीके से जो कर रहा था, उससे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था। अगर सरकार को दोष देना है, तो इस तरह की कार्रवाई पहले न किए जाने के लिए उसको दोषी मानना चाहिए। हालांकि मेरा यही मानना है कि अधूरी तैयारी या पर्याप्त सुबूतों के अभाव में की गई कार्रवाई से बेहतर है, कुछ समय के लिए इंतजार करना। लिहाजा सवाल यह है कि अब आगे किस तरह की चुनौतियां आने वाली हैं? निश्चय ही, कई जटिल मुद्दे हमारा इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि काम का एक छोटा हिस्सा अभी पूरा हुआ है। इन कार्रवाइयों के दो पहलू हैं, जिन पर संजीदगी से ध्यान देना होगा। पहला, एनआईए और ईडी, दोनों ने काफी मुश्किल काम को अंजाम दिया है। इससे पहले कि पीएफआई खुद को फिर से संगठित करे, हमें उसके अन्य अज्ञात स्रोतों और तत्वों की पहचान करनी होगी। उसके अंतरराष्ट्रीय रिश्ते को उजागर करना सबसे जरूरी है और मुझे विश्वास है कि इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) व रिसर्च ऐंड एनालिसिस विंग (रॉ) इसके लिए आगे आएंगे। अच्छी बात है कि हमने अभी तक सरकारी एजेंसियों के बीच किसी तरह के तनाव की बात नहीं सुनी है। यह भविष्य की कार्रवाइयों के लिहाज से एक शुभ संकेत है। चूंकि हमारे कई पश्चिमी देशों के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, तो हम उनके खुफिया संगठनों की इस मामले में हरसंभव मदद ले सकते हैं। पीएफआई का एजेंडा निश्चय ही अंतर-धार्मिक संघर्ष पैदा करना है। हमें इसकी जड़े खोदने की जरूरत है।

दूसरा कठिन काम, गिरफ्तार पीएफआई सदस्यों और उसके समर्थकों का सफल अभियोजन कराना है। एजेंसियों द्वारा एकत्र किए गए सुबूतों की पूरी सावधानी के साथ छानबीन की जानी चाहिए और उनको सक्षम अभियोजकों (अदालत में जिरह करने वाला वादी) को सुपुर्द करना चाहिए। इसमें कोई जी-हुजूरी करने वाला कानूनी अधिकारी नहीं चाहिए। इस मामले को ऐसे सक्षम और ईमानदार अधिकारी की जरूरत है, जो जांच अधिकारियों द्वारा पेश हर सुबूत को मंजूरी देने से पहले पूरी तरह से जांचे-परखे। यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि इतिहास में कई ऐसे उदाहरण मौजूद हैं, जब नाकारा जांच-पड़ताल ने कई महत्वपूर्ण मामलों को बेपटरी कर दिया। अगर एनआईए व ईडी को और अधिक विश्वसनीयता अर्जित करनी है, तो उनकी जांच सच की तह तक जानी चाहिए। सुनियोजित आतंकी मामलों में यह निश्चत ही एक बेहद कठिन चुनौती है।

सुपरफूड की तरह काम करता है मखाना

बेशकीमती पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर मखाना स्वास्थ्य के लिए सुपरफूड की तरह काम करता है। मखाने का 90 प्रतिशत उत्पादन भारत में ही होता है। मखाने को पानी में उगाया जाता है और पानी से निकालने के बाद इसके दाने को बहुत अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। इस प्रोसेस से इसके सख्त दाने से बड़े-बड़े मखाने के दाने निकलते हैं। मखाने को फॉक्स नट्स या लोटस सीड्स भी कहा जाता है। इसमें मौजूद बेशकीमती औषधिय गुणों के कारण विदेश में इसकी बहुत मांग है। मखाना में कैल्शियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन, कार्बोहाईड्रेट, हेल्दी फैट, सोडियम, फॉस्फोरस, आयरन, विटामिन-बी आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स के कारण मखाना कई बीमारियों में भी असरदार है। मखाने को सुपरफूड इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें कैलोरी बहुत कम होती है और फाइबर काफी होता है। इसका सेवन किडनी और दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है। यह शारीरिक कमजोरी को दूर करता है और शरीर में तुरंत एनर्जी लाता है। मखाने का नियमित सेवन उम्र के असर को बहुत कम करता है। यह हार्ट डिजीज और ब्लड शुगर को घटाने में रामबाण है।

हेल्दी हार्ट में फायदेमंद

मखाने का नियमित सेवन हार्ट को हेल्दी बनाता है। एक अध्ययन में पाया गया था कि चूहों पर मखाने का इस्तेमाल करने से उसमें चार सप्ताह के अंदर नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज कम हो गया। इसके अलावा चूहों के खून से हाई कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसेराइड भी कम हो गया। इन दोनों के कारण ही हार्ट की बीमारी होती है। मखाना हार्ट को इंज्युरी से रक्षा करता है उसमें खतरनाक फ्री रेडिकल होने से बचाता है।

उम्र के असर को घटाता है

मखाने में एंटी-एजिंग गुण पाए जाते हैं। मखाने में ग्लूटामाइन, सिस्टिन, अर्जीनिन और मेथियोनाइन एमिनो एसिड पाया जाता है जो फ्री रेडिकल को होने से रोकता है। फ्री रेडिकल के कारण कोशिकाएं मरने लगती हैं और चेहरे पर उम्र का प्रभाव दिखने लगता है। ग्लूटामाइन प्रोलीन बनाता है जो एक प्रकार का एमिनो एसिड है। कोलेजन प्रोलीन से ही बनता है। कोलेजन के कारण ही स्किन हाइड्रेट रहती है और उसमें सौम्यता लाती है। कुछ अध्ययन में यह भी पाया गया कि अर्जीनिन और मेथियोनाइन में एंटी-एजिंग गुण पाए जाते हैं।

ब्लड शुगर घटाता है

मखाने में मौजूद कंपाउड ब्लड शुगर को घटाता है और इंसुलिन के स्तर को बढ़ाता है जिससे डाइबिटीज कंट्रोल रहती है। रिसर्च में कहा गया है कि चूहों को सीमित मात्रा में मखाना देने से उसमें ब्लड शुगर की मात्रा घट गई। इससे भविष्य में डाइबिटीज का जोखिम भी कम हो गया।

अच्छी नींद लाता है

यह तनाव भी कम करता है। इसका सेवन करने से अच्छी नींद आती है। रात में सोने से पहले गर्म दूध के साथ 6-7 मखाना खाना फायदेमंद रहता है। इससे गहरी नींद आएगी।

हंसना मना है

पत्नी: तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे पति: नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है। पत्नी: क्या गलतफलमी? पति: यही, कि मैं सो रहा था। तब से वाकई में पति की नींद गायब है।

एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे। रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा मिला। उसने कहा मुझे भी बिठा लो कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा। देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेंगी गुंडों के साथ घूमता है

एक लड़की को देखा तो ऐसा। लगा दूसरी लड़की को देखा तो वैसा। लगा और जब दोनों ने गाल पर थप्पड़ मारे। तो एक जैसा लगा।

बेटा बाप से: पापा से साढ़ू का रिश्ता क्या होता है बाप: बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढ़ू कहलाते हैं। तभी वहां मम्मी आ गई बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं। और पापा डर के मारे पीले

लड़की: लड़के के गले लगकर बोली। कुछ ऐसा कहो की मेरा दिल जोरो से धड़क जाए लड़का: ऐसे ही खड़ी रह चुपचाप। पीछे तेरा बाप खड़ा है।

पति (किताब पढ़ते हुए): एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए। पत्नी (हंसते हुए): देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया।

पति: क्या तुम जानती हो दुनिया में सबसे ज्यादा शरीफ कौन है? पत्नी: दुनिया में सिर्फ वही लोग शरीफ हैं। जिनके मोबाइल में पासवर्ड नहीं है।

पड़ोसन: बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है, कितने का पड़ा है दूसरी महिला: ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना धोना पड़ोसन-अभी अपने पति से रूठ जाती हूं।

कहानी | छोटी चीज का काम बड़ा

एक हाथी गहरी नींद में सो रहा था। वह जोर-जोर से खर्राटे ले रहा था। खर्राटों की आवाज सुनकर पास के बिल से एक चूहा बाहर आया। उसने देखा कि सामने पहाड़ जैसा हाथी सो रहा था। खर्राटे के कारण उसका बड़ा-सा पेट ऊपर-नीचे हो रहा था। चूहे को यह देखकर बड़ा मजा आया। वह धीरे से उसकी सूंड़ से चढ़कर पेट तक पहुंच गया। हाथी के पेट पर बैठकर वह झूलने लगा। ऊपर-नीचे, ऊपर नीचे, बड़ा मजा आ रहा था। तभी हाथी की नींद खुली। एक छोटे से चूहे को अपने पेट पर आराम से बैठ देखकर उसे बहुत गुस्सा आया। उसने अपने पेट को जोर से हिलाया चूहा नीचे गिर गया। हाथी बोला-बेवकूफ चूहे, तेरी हिम्मत कैसे हुई मेरे पेट पर चढ़ने की? चूहा घबरा गया। माफी मांगने लगा। हाथी से बोला, दादा मुझे माफ कर दो। ऐसी गलती कभी नहीं होगी। हाथी को उस पर दया आ गई। उसने चूहे को जाने दिया। जाते समय चूहे ने कहा, दादा, कभी मेरी जरूरत हो तो बताना। आप बहुत अच्छे हैं तभी आपने मुझे छोड़ दिया। मैं भी आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहूंगा। अच्छा, नमस्ते। चूहे की बात सुनकर हाथी जोर-से हंसने लगा। चूहा चुपचाप वहां से चला गया। कुछ दिनों बाद एक शिकारी जंगल में आया। चूहे ने उसे देख लिया था। उसके पास बहुत सारा सामान था। लगता है कई दिन रुकने वाला है जंगल में। चूहे ने सोचा। अगले दिन सुबह जोर की आवाज सुनकर चूहे की नींद खुली। यह तो किसी हाथी की आवाज लगती है। उसने सोचा। जब कई बार बचाओ-बचाओ की आवाजें आई तो चूहा वहां पहुंचा। सामने देखा तो वही हाथी दादा खड़े थे। एक बड़ा-सा जाल उनके ऊपर पड़ा था, जिससे वे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। चूहे ने दादा को नमस्ते की। फिर वह अपने तेज दांतों से जाल काटने लगा। वह बहुत तेजी से काम कर रहा था। थोड़ी ही देर में जाल में एक बड़ा-सा छेद हो गया। हाथी उससे बाहर आ गया। अब उसे समझ आया कि छोटी चीज भी कभी-कभी बड़ा काम कर जाती है।

5 अंतर खोजें

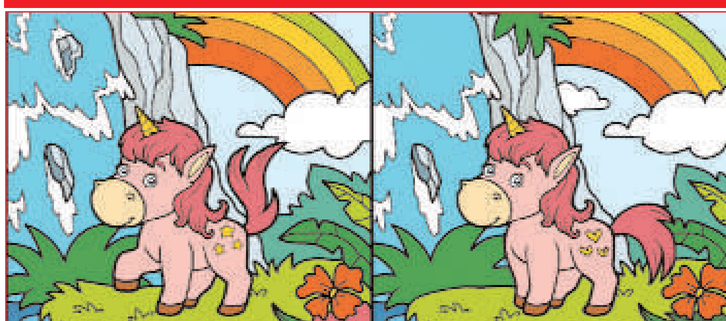

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज का दिन आपके लिए मिले जुले परिणामों वाला रहेगा, लेकिन व्यापक स्तर पर चीजें आपके पक्ष में होंगी। कार्यस्थल पर बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और आपके खर्च बढ़ेंगे।

वृषभ
आज भाग्य का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। ऑफिस में बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। जीवनसाथी संग आपकी यात्रा सुखद रहेगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मिथुन
आज आपकी ऐसी व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है जिनकी सोच से आप बहुत प्रभावित होंगे। धार्मिक गतिविधियों पर खर्च संभव है जो आपको मानसिक शांति प्रदान करेगा।

कर्क
व्यावसायिक संदर्भ में अपने आप को साबित करने के लिए आज आपको कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता हो सकती है। वरिष्ठों को खुश करना थो?ा मुश्किल हो सकता हैं।

सिंह
आज किसी करीबी मित्र से मुलाकात हो सकती है, जिसे आप अपने घर पर ले जा सकते हैं। साथ काम करने वाला आज परेशानी पैदा कर सकता है, जिसके चलते उनसे आपका विवाद ब? सकता है।

कन्या
आज कहीं घूमने-फिरने का कार्यक्रम बनाते हैं, तो आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। कड़ी मेहनत से आपको अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। स्वास्थ्य सम्बंधित परेशानी हो सकती है।

तुला
रुचि के विषयों में आपका ज्ञान बढ़ेगा। आप आज शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे।

वृश्चिक
आज आपका दिन बेहतर रहेगा। व्यापार को बढ़ाने से धन लाभ में काफी इजाफा होगा। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाईयां देने के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहेगा।

धनु
आपकी सोच में बदलाव आएगा जिससे आपको सम्मान व यश की प्राप्ति होगी। महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना आपको परेशानी में डाल सकता है। नौकरी-धंधे के लिए दिन सामान्य है।

मकर
आज आपके पास अनुकूल परिस्थितियां होंगी और आपको सभी तरफ लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र पर वरिष्ठ और सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे और आपको अपनी प्रतिभा और प्रयासों के लिए उचित मान्यता प्राप्त होगी।

कुम्भ
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को आज एक सुनहरा मौका मिलेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहेगा। पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा। काम में सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी।

मीन
आज नौकरी और बिजनेस में माहौल अच्छा है। कामकाज में भी आपका मन लगेगा। यदि आप कोई भी कलाकार हो तो आज आपको बड़ी सफलता हाथ लगेगी। एक बड़ा सौदा अंतिम रूप ले सकता है।

बॉलीवुड मसाला

ऐश्वर्या की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन ने की बंपर ओपनिंग

मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन का दर्शकों को काफी लंबे समय से इंतजार था। आखिरकार फिल्म जब शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई तो पहले ही दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में कई रिकॉर्ड बना डाले। फिल्म ने रिलीज होने के पहले दिन जिस तरीके से बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कलेक्शन किया, उसे देखते हुए यह माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन के मामले में एक नया इतिहास बना सकती है। रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन के आंकड़ों ने फिल्म निर्माताओं को खुश होने की बहुत बड़ी वजह दे दी है। पोन्नियिन सेल्वन, जिसमें कि ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ चियान विक्रम, जयराम रवि, तृषा कृष्णन, कार्ति, ऐश्वर्या लक्ष्मी और शोभिता धुलीपाला भी अहम भूमिकाओं में हैं, इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर लगभग 50 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म जितनी भाषाओं में रिलीज हुई है, इन सभी को मिलाकर फिल्म का इतना कलेक्शन रहा है। इस तरीके से माना जा रहा है कि फिल्म ने कमल हासन की फिल्म विक्रम को भी ओपनिंग डे कलेक्शन के मामले में पछाड़ दिया है। विक्रम ने सभी भाषाओं को मिलाकर रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 37.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। पोन्नियिन सेल्वन ऐतिहासिक कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें कि चोल साम्राज्य का चित्रण किया गया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म 500 करोड़ रुपये से भी अधिक के बजट में बनी है। फिल्म में बड़े ही शानदार सेट्स देखने के लिए मिल रहे हैं। समीक्षकों से फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन से यह उम्मीद बंधी है कि वीकेंड के दौरान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर और ताबड़तोड़ कमाई कर सकती है।

बॉलीवुड मन की बात

लोग मेरे को गाली तक देते पर मुझे नहीं फर्क पड़ता: करण जौहर

करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण सीजन 7 का आखिरी एपिसोड टेलीकास्ट हो चुका है। इस एपिसोड के दौरान उन्होंने अपनी मेंटल हेल्थ पर बात की। फिनाले एपिसोड में सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स तन्मय भट्ट, कुशा कपिला, दानिश सैत, निहारिका एनएम जूरी मेंबर्स के रूप में मौजूद थे। करण जौहर को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता है। उनसे पूछा गया कि वह इस निगेटिविटी से कैसे डील करते हैं। इस पर करण जौहर ने बताया कि उन्हें थेरपी लेनी पड़ी। करण जौहर सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किए जाते हैं। वह अक्सर अपने बारे में किए जाने वाले घटिया कमेंट्स का मजाक उड़ाते हैं। इन्हें सोशल मीडिया पर भी लिखते रहते हैं। कॉफी विद करण के फिनाले एपिसोड में उनसे पूछा गया कि वह इस नेगेटिविटी से कैसे डील करते हैं तो करण ने बताया, इतने सालों में मैंने अपनी चमड़ी मोटी कर ली है। सच कहूं तो लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इससे मुझे इन सबसे फर्क नहीं पड़ता। लोग मेरे बच्चों तक को गाली देने लगते हैं। तब मुझे लगता है कि उन्हें इन सबसे दूर रखो। मेरे, मेरी सेक्शुऐलिटी के बारे में जो भी कहना है कहते रहो। करण बताते हैं, ऐसा नहीं है कि मेरे साथ इशूज नहीं रहे या मुझे थेरपी नहीं लेनी पड़ी। करण ने बताया, 5 साल पहले मुझे एंग्जाइटी इशू था और उस वक्त मैं खुलकर सामने आया था। जब मैंने अपने डॉक्टर से बात की, वह साइकोलॉजिस्ट थी। करण ने बताया कि उनकी डॉक्टर ने कहा कि भले तुमको लगता है कि तुम मोटी चमड़ी वाले हो और फर्क नहीं पड़ता लेकिन ये चीजें आप अंदर ही अंदर दबा रहे हो जो कभी-कभी बाहर आ जाती हैं। डॉक्टर ने कहा कि ऐसा नहीं करना चाहिए। करण ने बताया कि तब उन्होंने इस बारे में लोगों से बात करना शुरू किया। करण ने बताया कि वह अब बेहतर महसूस करते हैं। करण ने बताया कि अच्छा फील करने की वजह यह है कि उन्होंने अपने करीबियों से बात करना शुरू कर दिया।

बिग बॉस हाउस में टीवी की इन बहुओं में होगी कड़ी टक्कर

बिग बॉस 16 को लेकर फैंस बेहद एक्साइटेड दिखाई दे रहे हैं। एक्साइटेड होना वाजिब भी है। इस सीजन बॉलीवुड और टेलीविजन के दिग्गज सितारे हिस्सा लेने जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात बिग हाउस में पहली बार एक नहीं, बल्कि चार-चार बहुएं साथ होंगी। आइये जानते हैं कि शो में कौन सी टीवी बहू किस पर भारी पड़ने वाली है।

टीना दत्ता: टीना दत्ता टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। जिनका कई सालों से बिग बॉस हाउस में आने का इंतजार हो रहा था। इंतजार खत्म होने वाला है। अब फैंस टीना को रियल रूप में शो में देखने वाले हैं। टीना को कलर्स के शो उतरन से पहचान मिली थी। टीना के इंस्टाग्राम पर 2.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

निम्रत कौर अहलूवालिया: निम्रत कौर अहलूवालिया को लोग छोटी सरदारनी के तौर पर जानते हैं। निम्रत को भी कलर्स के शो छोटी सरदारनी से ही फेम मिला है। वहीं सोशल मीडिया स्टेटस की बात करें, तो निम्रत के इंस्टाग्राम पर सिर्फ एक मिलियन फॉलोअर्स हैं।

प्रियंका चाहर: प्रियंका चाहर चौधरी को उड़ारियां सीरियल से एक पहचान मिली। शो में प्रियंका ने तेजो के रोल में हर किसी का दिल जीत लिया। प्रियंका के इंस्टाग्राम पर एक मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सुम्बुल तौकीर खान: कलर्स की बहुओं के बीच स्टार प्लस की इमली भी बिग बॉस हाउस में अपना जलवा दिखाने आ रही है। सुम्बुल के सोशल मीडिया पर 376K फॉलोअर्स हैं, जो कि बाकी तीनों ही एक्ट्रेसेज से बेहद कम हैं।

युवती द्वारा रिश्ता ठुकराने पर लड़के को कद्दू देते हैं यहां के लड़की वाले!

इस दुनिया में जितने देश हैं, उतनी मान्यताएं हैं। हर देश के समुदाय और समाज में सालों से कई मान्यताएं चली आ रही हैं। यूं तो ये रिवाज पुराने हो चुके हैं मगर आज भी लोग इनका पालन करते हैं। हर देश में शादी एक जरूरी संस्कार माना जाता है मगर विवाह के तरीके और उनसे जुड़े रीति-रिवाज काफी अलग होते हैं। किसी समुदाय में शादी के वक्त सफेद रंग पहना जाता है वहीं दूसरी जगह सफेद मातम का रंग मानते हैं। ऐसी एक विचित्र परंपरा यूक्रेन में है जहां लड़कीवाले, लड़के को कद्दू भेंट करते हैं। लैंटर्हॉर्न वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में जहां हैलोवीन के मौके पर कद्दू का काफी इस्तेमाल होता है वहीं यूक्रेन में इसे शादी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यूक्रेन में मर्दों को कद्दू से बहुत डर लगता है। इसका कारण है यहां शादी से जुड़ी एक विचित्र मान्यता। रिपोर्ट के मुताबिक जब कोई पुरुष किसी महिला के घर शादी का रिश्ता लेकर जाता है तो उसकी ये जिम्मेदारी होती है कि वो लड़की के साथ-साथ उसके माता-पिता को भी उस रिश्ते के लिए मनाए। वो अपने साथ परिवार के दो लोगों को लेकर जाता है। शादी का अंतिम फैसला लड़की का होता है। अगर वो शादी के लिए मान जाती है तो वो लड़के के हाथ में रिबन बांधती है लेकिन अगर वो मना कर देती है तो लड़के को कद्दू दिया जाता है। एनपीआर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी यूरोप में लंबे वक्त से कद्दू का मतलब शादी से इनकार माना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक पहले के वक्त में लड़के रात के समय ही प्रपोज करने जाते थे जिससे अगर उन्हें कद्दू के साथ लौटना पड़े तो कोई उन्हें देख ना ले। अब सवाल ये उठता है कि कद्दू ही क्यों दिया जाता रहा है? इस मान्यता की शुरुआत के बारे में सही जानकारी तो नहीं है मगर लोग अंदाजा लगाते हैं कि इसके पीछे कई कारण हैं। पहला तो ये कि लड़के को खाली हाथ ना लौटाने की जगह उसे कद्दू दिया जाता है। इसके अलावा कुछ लोगों का मानना है कि कद्दू, सब्जी के तौर पर काफी बदसूरत लगता है। ऐसे में मना करने की जगह कद्दू दे दिया जाता था। कुछ तो ये भी कहते हैं कि पुरुषों के लिए कद्दू काफी फायदेमंद होता है इसलिए उन्हें यही सब्जी दी जाती है। यूक्रेन में अगर किसी को नेता का विरोध करना होता है तो वो हाथों में कद्दू ले लेते हैं। किसी महिला को अगर पुरुष को दूर भी भगाना तो भी वो कह देती है कि वो उसे कद्दू देना चाहती है।

अजब-गजब | देवी मां का चमत्कार

मंदिर में बलि चढ़ाने के बाद भी नहीं मरता बकरा, फिर हो जाता है जिंदा!

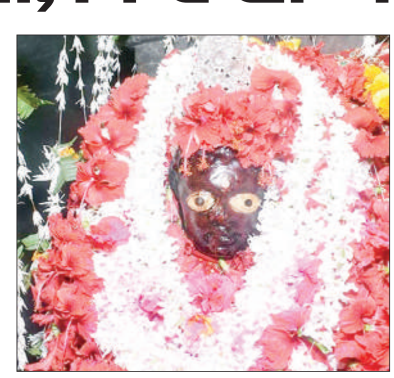

भारत मंदिरों का देश है और यहां कई रहस्यमयी और चमत्कारिक मंदिर हैं। इनके रहस्यों को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रे चल रहे हैं और देश में माता के अनेक ऐसे मंदिर हैं, जहां भक्तों को देवी मां के चमत्कार देखने को मिलते हैं। ऐसा ही देवी मां का एक चमत्कारी मंदिर बिहार के कैमूर जिले में भी है। माता के इस मंदिर में भक्तों को अद्भुत चमत्कार देखने को मिलता है। माता के इस मंदिर में बकरे की बलि चढ़ाई जाती है लेकिन बकरा मरता नहीं है। बलि के कुछ समय बाद पुन: जिंदा होकर खुद ही चलता हुआ मंदिर से बाहर आ जाता है। माता का यह चमत्कारी मंदिर मुंडेश्वरी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर कैमूर पर्वत की पहाड़ी पर करीब 600 ज्यादा फीट की ऊंचाई पर है। जानकारी के मुताबिक, यह मंदिर हजारों साल पुराना है। इतिहासकारों का मानना है कि इसका निर्माण 108 ईस्वी में शक शासनकाल में बनवाया गया था। भगवान शिव और देवी शक्ति को समर्पित यह प्राचीन मुंडेश्वरी देवी मंदिर बिहार के कैमूर जिले के कौरा क्षेत्र में स्थित है।

माता के इस मंदिर में बकरे की बलि चढ़ाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। हालांकि यहां बलिक देने की परंपरा अन्य मंदिरों से बिल्कुल भिन्न है। दरअसल, जब इस मंदिर में बकरे की बलि चढ़ाई जाती है उसकी जान नहीं ली जाती। यहां अलग तरह से बकरे की बलि दी जाती है। खास बात यह है कि यहां बलि चढ़ाने की प्रक्रिया भक्तों के सामने ही की जाती है।

यहां जब किसी बकरे की बलि चढ़ानी होती है तो उसे माता की मूर्ति के सामने लाया जाता है। इसके बाद उसे वहां लिटाकर पुजारी उस पर कुछ अभिमंत्रित चावल फेंकता है। ये चावल माता की मूर्ति को स्पर्श करवाने के बाद बकरे पर फेंके जाते हैं। जैसे ही माता की मूर्ति के स्पर्श करवाए गए चावल बकरे पर फेंके जाते हैं तो बकरा मृत सा हो जाता है। उसे देखकर ऐसा लगता है जैसे उसमें प्राण ही न बचे हों। उसमें बिल्कुल हलचल नहीं होती। इसके बाद फिर इसी प्रकार दोबारा चावल बकरे पर फेंके जाते हैं और माता के जयकारे लगाए जाते हैं। माता के जयकारे लगते ही बकरा तुरंत उठ जाता है। बलि चढ़ाने की क्रिया पूरी होने के बाद बकरे को छोड़ दिया जाता है। यह है मंदिर के बारे में पौराणिक कथा

माता के इस चमत्कारिक मंदिर के बारे में एक कथा प्रचलित है। मान्यता है कि चंड-मुंड नाम के राक्षसों का अंत करने के लिए माता यहां प्रकट हुई थी। जब माता ने चंड को मारा तो मुंड यहां की पहाड़ियों में आकर छिप गया। इसके बाद माता ने उसका भी वध कर दिया। इसके साथ ही मां मुंडेश्वरी मंदिर में एक प्राचीन पंचमुखी शिवलिंग की मूर्ति भी है, जो दिन में तीन बार अपना रंग बदलती है। लोगों का कहना है कि यहां देखते ही देखते कब शिवलिंग अपना रंग बदल लेता है इसका पता भी नहीं चल पाता।

ग्रामोद्योग के जरिए बन सकते हैं स्वावलंबी : अखिलेश यादव

समाजवादी लोग सदन में सरकार को ग्रामोद्योग की याद दिलाते रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि महात्मा गांधी ने सेवा का रास्ता दिखाया और बताया कि इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी पाया जा सकता है। भारत के लोगों को खास कर ग्रामीण भारत को जगाया। राष्ट्रपिता बापू ने कहा था कि जब तक हम खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा नहीं देंगे तब तक स्वावलंबी नहीं बन सकते है।

गांधी जयंती पर हजरतगंज स्थित गांधी आश्रम पहुंचे सपा अध्यक्ष ने चरखा चलाया और बधाई दी। उन्होंने कहा कि नेताजी (मुलायम सिंह) इसी आश्रम में उन्हें लेकर आए। इसी खादी आश्रम से कुर्ता पहनने का मौका दिया। तब से आज तक कोई दूसरा कपड़ा नहीं पहना। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 5 जी पर पलटवार करते हुए कहा कि जिन कंपनियों ने 5जी लांच किया है उस कंपनी में गांवों के कितने लोगों को रोजगार मिलेगा? आज जिन कंपनियों को 5जी का लगाने का मौका दिया गया वो कंपनी पहले से ही मुनाफे पर है। उन्होंने मांग की कि खादी ग्रामोद्योग को बढ़ावा दिया जाए। समाजवादी सरकार में 4जी सेवा में सुविधा के लिए वाई फाई मुफ्त थी। आज जिन कंपनियों ने 5जी लांच किया है उसका मुनाफा किसको मिलेगा? क्या आज ग्राहकों को भी फ्री वाई फाई की सुविधा उपलब्ध होगी? उन्होंने कहा कि वर्तमान टेक्नोलॉजी और खादी के बीच तालमेल स्थापित किया जाना उचित होगा। अब समाजवादी सरकार नहीं है, लेकिन समाजवादी लोग सदन में सरकार ग्रामोद्योग की याद दिलाते रहेंगे।

नगर निगम चुनाव की तैयारी में जुटी सपा

समाजवादी पार्टी नगर निगम चुनाव की तैयारी में जुट गई है। सभी नगर निगम प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने जिलों में जाएं और चुनाव को लेकर रणनीति तैयार करें। नगर कमेटी भंग होने की वजह से हर जगह तीन सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी, जो वार्ड सदस्य पद केतीन-तीन उम्मीदवारों का चयन करेगी। सपा में राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष चुने जा चुके हैं, लेकिन अभी तक अन्य कमेटियों का गठन नहीं किया गया है। नगर निगम चुनाव को देखते हुए पार्टी की ओर से दो माह पहले प्रभारी नियुक्त किए गए थे। खास बात यह है कि हर नगर निगम में दो से तीन विधायकों को प्रभारी नियुक्त किया गया है। ये प्रभारी संबंधित जिलों के बजाय दूसरे जिलों के हैं।

गरीबी दानव जैसी चुनौती : आरएसएस

» साथ ही देश में बेरोजगारी पर जताई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने देश में बेरोजगारी और आय में बढ़ती असमानता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गरीबी देश के सामने एक राक्षस जैसी चुनौती के रूप में सामने आ रही है। हालांकि होसबाले ने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई कदम उठाए गए हैं।

होसबाले ने संघ से जुड़े स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कहा, '...हमें इस बात का दुख होना चाहिए कि 20 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं और 23 करोड़ लोग प्रतिदिन 375 रुपए से भी कम कमा रहे हैं। गरीबी हमारे सामने एक राक्षस-जैसी चुनौती है। यह महत्वपूर्ण है कि इस दानव को खत्म किया जाए।' आरएसएस नेता ने कहा कि गरीबी के अलावा असमानता और बेरोजगारी दो चुनौतियां हैं जिनसे निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश में चार करोड़ बेरोजगार हैं, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 2.2 करोड़ और शहरी क्षेत्रों में 1.8 करोड़ बेरोजगार हैं। श्रम बल सर्वेक्षण में बेरोजगारी दर 7.6 प्रतिशत आंकी गई है। हमें रोजगार पैदा करने के लिए न केवल अखिल भारतीय योजनाओं की आवश्यकता है, बल्कि स्थानीय योजनाओं की भी आवश्यकता है।

गौरव, दीपेंद्र व नासिर हुसैन का कांग्रेस से इस्तीफा

» तीन नेताओं ने दिया प्रवक्ता पद से इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए शशि थरूर और मल्लिकार्जुन खड़गे की बीच मुकाबला है। इस बीच दोनों ही नेताओं ने प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिस दिन मैंने अपना नामांकन दाखिल किया, मैंने उदयपुर में लिए गए पार्टी के 'एक व्यक्ति एक पद' के फैसले के अनुरूप राज्य सभा में विपक्ष के नेता के पद से इस्तीफा दे दिया है।

वहीं खड़गे के चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के तीन प्रवक्ताओं ने पार्टी के प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। इनमें कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ, दीपेंद्र एस हुड्डा और सैयद नासिर हुसैन शामिल हैं। इस बात की जानकारी खुद कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने दी है। गौरव वल्लभ ने बताया कि हम तीनों नेताओं ने खड़गे के चुनाव प्रचार का हिस्सा बनने के लिए पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता के पद से इस्तीफा दिया है और हम चाहते हैं कि यह चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हो। खड़गे ने कहा कि मैं आज आधिकारिक तौर पर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष पद के लिए अपना अभियान शुरू कर रहा हूं। मैंने उदयपुर में चिंतन शिविर के दौरान लिए गए पार्टी के एक व्यक्ति एक पद के फैसले के अनुरूप राज्य सभा में विपक्ष के नेता के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि एक दिन पहले कांग्रेस नेता खड़गे ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता के पद से इस्तीफा दे दिया था। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपना इस्तीफा भेजा था। खड़गे ने ये फैसला कांग्रेस के उदयपुर चिंतिन शिविर में पास हुए प्रस्ताव के बाद लिया है।

कांग्रेस अब टूटने की कगार पर : अरूण सिंह

» नीतीश कुमार का यूपी में कोई जनाधार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी राजस्थान के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह मिर्जापुर पहुंचे। राजस्थान में मचे सियासी घमासान पर उन्होंने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वहां कांग्रेस पार्टी टूटने की कगार पर है। पार्टी नेताओं के पास कोई विजन ही नहीं है।

राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने कहा कि राजस्थान में अशोक गहलोत ने अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ना चाहा लेकिन वह अपने ही विधायकों का समर्थन खो बैठे हैं। वहां पर कांग्रेस टूटने की कगार पर है। विधायकों में मतभेद हैं और कोई नेता उनको समझाने की स्थिति में नहीं है। यूपी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि कहा कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है। उत्तर प्रदेश में नीतीश कुमार का कोई जनाधार नहीं है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर कहा कि देश हमेशा से जुड़ा हुआ है। यह आध्यात्मिक रूप से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय महासचिव ने लोगों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती की बधाई देते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार के कार्यों व उपलब्धियों का वर्णन किया। बसपा नेता की आरएसएस पर बैन लगाने संबंधी टिप्पणी पर कहा कि यह तुष्टिकरण की राजनीति का परिणाम है। कानपुर की घटना पर अफसोस जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उधर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के काफिले की कई गाड़ियां मंडी चौकी के पास आपस में भिड़ गईं। घटना में दो-तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई।

बिहार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह का इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सरकार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद ही दी है। सुधाकर सिंह, राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे और कैमूर जिले की रामगढ़ सीट से विधायक हैं। उन्होंने मंत्री पद संभालने के बाद अपने विभाग के अफसरों को चोर बताते हुए खुद को चोरों का सरदार कह दिया था। मिली जानकारी के अनुसार कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने मंत्री पद से इस्तीफे की पेशकश की है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को अपना इस्तीफा भेजा है। उन्होंने राजद के प्रदेश अध्यक्ष को भी अपने इस्तीफे की जानकारी दे दी है। बिहार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस बारे में आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने जानकारी दी है। सुधाकर सिंह ने कहा कि वे सरकार के लिए समस्या नहीं बनना चाहते थे। हालांकि उनके इस्तीफे पर कोई फैसला होना अभी बाकी है।

वाराणसी कमिश्नर दीपक अग्रवाल की केंद्र में तैनाती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल को केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव पद पर तैनाती दी गई है। वे कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे।

केंद्र सरकार के शहरी आवास मंत्रालय में संयुक्त सचिव बनाए गए वाराणसी के मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने अपनी जवाबदेह कार्यशैली की छाप छोड़ी है। करीब साढ़े चार साल के कार्यकाल का रिकॉर्ड बनाने के दौरान उन्होंने बनारस के विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाई है। काशी विश्वनाथ धाम के विस्तारीकरण परियोजना को निर्विवाद पूरा करना बनारस में उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। वर्ष 2000 कैडर के आईएएस दीपक अग्रवाल को मार्च 2018 में बनारस में मंडलायुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इनकी नियुक्ति के समय वाराणसी में कई चुनौतियां थीं, जिसमें केंद्र और राज्य की योजनाओं को तय समय में पूरी गुणवत्ता के साथ लागू करवाने से लेकर बनारस के ट्रैफिक की समस्या, वरुणा कॉरिडोर का मामला और सबसे प्रमुख चुनौती काशी विश्वनाथ मंदिर के विस्तारीकरण की योजना को सुचारु बनाए रखना था।

ढोल-नगाड़ों की थाप पर धुनुची नृत्य कर मां को रिझाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नवरात्र पर राजधानी के विभिन्न पूजा पंडालों में मां दुर्गा के अनेक रूप दिखे। सप्तमी से शुरू होने वाले बंगाली समाज के पर्व पूजा उत्सव के चलते जगह-जगह दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर धुनुची नृत्य कर मां को रिझाया। ब्वायजएंग्लो, कैंट और बंगाली क्लब पूजा पंडाल में सुबह से देवी मां की पूजा अर्चना होती रही। शाम को मेले सा माहौल रहा। बंगाली क्लब पूजा पंडाल में नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने मां दुर्गा की आरती की।

गुजरात में महामहिम नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर गुजरात के अहमदाबाद पहुंची हैं। अहमदाबाद में उन्होंने सबसे पहले साबरमती आश्रम पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और फिर चरखा चलाया। उनके साथ राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद हैं।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकती हैं सोनिया गांधी!

» प्रियंका गांधी के शरीक होने पर असमंजस बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी भी 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हो सकती हैं। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सोनिया गांधी छह अक्टूबर को कर्नाटक में यात्रा में हिस्सा होंगी। हालांकि यह अभी साफ नहीं हो पाया है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी अपनी मां सोनिया गांधी के साथ इस यात्रा में शरीक होंगी या नहीं।

मौजूदा वक्त में इस यात्रा का पड़ाव कर्नाटक में है। राहुल गांधी समेत पार्टी के दिग्गज नेता इसमें शामिल हैं। बता दें कि जब यह यात्रा शुरू हुई थी, उस समय वे चिकित्सा जांच के सिलसिले में विदेश में थीं। तमिलनाडु और केरल से गुजरने के बाद भारत जोड़ो यात्रा ने शुक्रवार को कर्नाटक में प्रवेश किया। राहुल गांधी के नेतृत्व में 21 दिनों तक कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता कर्नाटक में 511 किलोमीटर की यात्रा करेंगे।

देश के किसान लखीमपुर कांड को कभी नहीं भूलेंगे: राकेश टिकैत

» पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय किसान संयुक्त मोर्चा के प्रवक्ता राकेश टिकैत तिकुनिया हिंसा में मारे गए चार किसानों की पहली बरसी में शामिल होने के लिए लखीमपुर खीरी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि घटना के एक साल बाद भी आरोपियों को सजा नहीं हुई है। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। बता दें कि पिछले साल 3 अक्टूबर को तिकुनिया में प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 4 किसान, एक पत्रकार और तीन बीजेपी कार्यकर्ताओं की मौत हुई थी। इस हिंसा में मुख्य आरोपी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा को मुख्य आरोपी बनाया गया है।

गौरतलब है कि घटना के एक साल पूरे होने के बाद किसानों ने कौड़ियाला घाट गुरुद्वारे पर मृतक 4 किसानों की बरसी के लिए अखंड पाठ का प्रोग्राम रखा है। इसमें शामिल होने के लिए आए किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि 3 अक्टूबर को जिस तरीके से फिल्मों में दिखाई जाने वाली घटना को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पुत्र ने रियल

लाइफ अंजाम दिया इसे पूरी दुनिया ने देखा। एक साल होने को आया है, अब तक पीड़ित परिजनों को न्याय नहीं मिला है। टिकैत ने कहा कि देश पिछले साल तीन अक्टूबर को तिकुनिया गांव में हुई हिंसा को कभी नहीं भूल सकता, जिसमें आठ लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि देशभर के किसान इस घटना को कभी नहीं भूलेंगे और हर तीन अक्टूबर को इसकी पहली बरसी मनाने के लिए देश भर में इकट्ठा होंगे। बता दें कि हिंसा में मारे गए प्रदर्शनकारी केंद्र के उन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिन्हें बाद में सरकार ने वापस ले लिया था। टिकैत हिंसा की पहली बरसी पर तिकुनिया क्षेत्र के कौड़िला घाट गुरुद्वारा में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला है।

न्याय मिलने में देरी के लिए राज्य सरकार को ठहराया जिम्मेदार

न्याय मिलने में देरी के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए भाकियू नेता ने कहा सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान न तो कानूनी व्यवस्था में विश्वास करता है और न ही संविधान में और अपनी शक्ति का दुरुपयोग करता है। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के खिलाफ किसान तीन अक्टूबर, 2021 को तिकुनिया गांव में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और इसी दौरान कार से कुचलकर चार लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद की हिंसा में दो भाजपा कार्यकर्ताओं और एक पत्रकार सहित चार अन्य लोग मारे गए थे। हत्या का आरोप केंद्रीय मंत्री अजय टेनी ने पुत्र आशीष टेनी पर लगा है जो इस समय जेल में हैं।

पूजा पंडालों के निर्माण में सुरक्षा मानकों का करें पालन : सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों लगातार बढ़ती दुर्घटना के बीच में सभी का संज्ञान लेने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद मार्मिक अपील भी कर रहे हैं। भदोही की घटना के बाद से बेहद ममहित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में सभी जगह पर पूजा पंडालों के निर्माण के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है।

योगी आदित्यनाथ ने भदोही के सहसेपुर के दुर्गा पंडाल में आग लगने के कारण हुई जनहानि पर शोक प्रकट किया है। उन्होंने घायलों के समुचित इलाज का भी निर्देश दिया है। मुख्यमंत्रीने प्रदेश में सभी जगह पर पूजा पंडालों के निर्माण में विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्णतया पालन करने की अपील की है। साथ ही निर्देश दिया है कि प्रशासन आयोजन समितियों से संवाद बनाकर पूजा पंडालों में विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराए।

सुलतानपुर में सपा विधायक पर एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। शहर से सटे पांचोपीरन में पशु बाजार लगती है। लंपी बीमारी के कारण प्रशासन ने बीते दिनों इस कारोबार पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी आरोप है कि सपा विधायक मोहम्मद ताहिर खान समेत दो लोगों ने पशु बाजार लगवाया। इस मामले में एफआइआर दर्ज की गई है।

पशु विभाग के चिकित्साधिकारी डा. भूदेव सिंह ने भी केस दर्ज करवाने के लिए अपनी संस्तुति दी है। लंपी बीमारी फैलने की आशंका के चलते पिछले महीने 24 अगस्त को जिला प्रशासन ने पशु बाजार पर रोक लगाई थी। बावजूद इसके यह पशु बाजार चल रहा था। बीती रात अज्ञात की शिकायत पर जिला प्रशासन हरकत में आया। आनन-फानन में पशु बाजार बंद कराया गया। बता दें कि यह पशुमंडी स्थापना के बाद से ही विवादित रही है। पूर्व सांसद व अब इसौली से विधायक मो. ताहिर का पैतृक आवास मंडी स्थल से सटा है। लोगों का मानना है कि मंडी विधायक के संरक्षण में चलती है। रसूख के चलते मंडी में मवेशियों की खरीद फरोख्त पर रोक नहीं लगी।

खड़गे और पार्टी नेताओं से नहीं, भाजपा से लड़ना है : शशि थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव के लिए सरगर्मियां तेज हो गई है। अध्यक्ष पद के उम्मीदवार शशि थरूर ने मल्लिकार्जुन खड़गे से बहस की पैरवी करने के बाद कहा कि वह खड़गे की इस बात से सहमत हैं कि दोनों को एक-दूसरे से नहीं, बल्कि भाजपा से लड़ना है।

» खड़गे की बात पर जताई सहमति, जी-23 के अस्तित्व को नकारा

शशि थरूर ने ट्वीट करते हुए लिखा कि मैं खड़गे जी से सहमत हूं कि कांग्रेस में हम सभी लोगों को एक दूसरे की बजाय भाजपा से मुकाबला करना है। हमारे बीच कोई वैचारिक मतभेद नहीं है। इसके साथ ही थरूर ने कहा कि कोई जी-23 जैसा कोई समूह नहीं है, यह सब मीडिया का विचार था। लोकसभा सदस्य थरूर ने कहा 17 अक्टूबर को मतदान करने वाले हमारे साथियों को सिर्फ यह तय करना है कि इसे (भाजपा के खिलाफ लड़ाई) कैसे सर्वाधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव इस बारे में है कि कैसे कांग्रेस को आज की सत्तारूढ़ सरकार, जो कि भाजपा है, का मुकाबला करने के लिए सबसे अच्छी तरह सुसज्जित किया जाए। हम 2 चुनाव हारे हैं। हमें एक नए सिरे से मजबूत कांग्रेस पार्टी की जरूरत है, जहां यह इस चुनौती से निपटने के लिए प्रभावी व्यवस्था बन सके। थरूर ने रविवार को कहा था कि वह खड़गे के साथ सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।